Patrika (Indore), 20th March 2023, Front Page – Plus 02

आइआइटी में वीएलएसआइ सोसाइटी के एमपी चैप्टर की शुरुआत, शुरू होंगे कोर्स

सेमी कंडक्टर के क्षेत्र में ग्लोबल लीडर बनेगा देश

आइआइटी में एमपी चैप्टर की शुरुआत के मौके पर अतिथि।

पत्रिका लाइव रिपोर्ट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. माइक्रोचिप डिजाइन का दायरा बहुत व्यापक है। देश में इस क्षेत्र में काम करने वालों की कमी है। मप्र में करीब 10 हजार प्रोफेशनल तैयार करने का लक्ष्य है। इसके लिए एक साल में 20 कॉलेजों में सेमी कंडक्टर के बीटेक कोर्स शुरू किए जाएंगे।

यह बात वीएलएसआइ (वेरी लार्ज स्केल इंटीग्रेशन) सोसाइटी ऑफ इंडिया के प्रेसीडेंट डॉ. सत्या गुप्ता ने कही। वे रविवार को आइआइटी इंदौर में वीएलएसआइ सोसाइटी के एमपी चैप्टर के शुभारंभ पर बोल रहे थे। डॉ. गुप्ता ने कहा, तीन दशक पहले मेकिंग इंडिया ए वर्ल्ड-क्लास इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमी कंडक्टर प्रोडक्ट नेशन के मिशन की शुरुआत हुई थी। भारत को अगर इस क्षेत्र में ग्लोबल लीडर बनना है तो आने वाला दशक काफी महत्वपूर्ण है। स्टूडेंट, कॉलेज, इंडस्ट्री सभी प्रयास करेंगे तो यह आसानी से संभव हो सकेगा। एमपी चैप्टर में करीब 20 लोगों को सदस्य बनाया है,

भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का समय

आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास एस. जोशी ने कहा कि भारत ने कोरोना वैक्सीन तैयार कर दुनिया में अपनी ताकत दिखाई है। अब जरूरत है कि सेमी कंडक्टर जैसे क्षेत्रों में भी हम मिलकर कार्य करें और भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं। आइआइटी इंदौर के रिसर्च एंड डेवलपमेंट के डीन प्रोफेसर एआइ पलानी ने कहा कि उद्योगों के साथ मिलकर 550 करोड़ रुपए के काम हम कर रहे हैं और पेटेंट के मामले में भी आइआइटी बहुत आगे है।

जिसके चेयरमैन आइआइटी इंदौर के प्रोफेसर डॉ. संतोष विश्वकर्मा हैं। आइआइटी, आरआर कैट और प्रदेश के अग्रणी इंजीनियरिंग कॉलेजों की भी सहभागिता है। प्रोफेसर संतोष विश्वकर्मा ने कहा कि हम पीथमपुर और अन्य उद्योगों के साथ इस क्षेत्र में मिलकर शोध करेंगे।